अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

INTERNATIONAL RESEARCH CONFERENC

सार्वभौमिक मूल्यों के प्रसार एवं संवर्धन में साहित्य, संस्कृति और धर्म–अध्यात्म की भूमिका

आयोजक – अक्षर वार्ता अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना एवं मौनतीर्थ सेवार्थ फाउंडेशन

8 मई 2016

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/डॉ. ज्योति तोमर .... संस्था प्रशान्ति शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन ने अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका, राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना एवं मौनतीर्थ सेवार्थ फाउंडेशन, उज्जैन के सहयोग से दिनांक 8 मई 2016 को सार्वभौमिक मूल्यों के प्रसार एवं संवर्धन में साहित्य, संस्कृति और धर्म – अध्यात्म की भूमिका पर केन्द्रित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की।

इन्होंने [illegible] विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया/व्याख्यान दिया/सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. प्रभु चौधरी	डॉ. शैलेन्द्र कुमार शर्मा	डॉ. मोहन बैरागी
अध्यक्ष – राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना	प्रधान संपादक : अक्षर वार्ता	संपादक : अक्षर वार्ता
उज्जैन	[illegible]	उज्जैन

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
... College of Professional Studies, Ujjain
... Dist. Ujjain

Principal
Proshanti College of Professional Studies
... Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

INTERNATIONAL RESEARCH CONFERENCE

भाषा, साहित्य और बदलता सामाजिक परिदृश्य : भूमण्डलीकरण की चुनौतियाँ

Simhastha 2016

6-7 मार्च 2016

आयोजक : अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका एवं संस्था कृष्णा बसंती

सहयोग : हिंदी अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/डॉ. ज्योति मैथाल संस्था प्रशांति शिक्षा महा. उज्जैन ने अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका एवं संस्था कृष्णा बसंती उज्जैन द्वारा हिन्दी अध्ययनशाला विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के सहयोग से दिनांक 6-7 मार्च 2016 को भाषा, साहित्य और बदलता सामाजिक परिदृश्य : भूमण्डलीकरण की चुनौतियाँ पर केन्द्रित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की।

इन्होंने 'पर्यावरण जलवायु परिवर्तन और भूमण्डलीकरण की चुनौतियाँ तथा जीवन का अंतर्संबंध' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया / व्याख्यान दिया / सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. प्रेमलता चुटैल
आचार्य एवं अध्यक्ष
हिन्दी अध्ययनशाला
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

डॉ. गीता नायक
आचार्य
हिन्दी अध्ययनशाला
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा
प्रधान संपादक : अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका
आचार्य हिन्दी अध्ययनशाला एवं कुलानुशासक
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

डॉ. मोहन बैरागी
संपादक
अक्षर वार्ता

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

★ CERTIFICATE ★

HIBS

8th INTERNATIONAL CONFERENCE

OF

INDIAN PSYCHOMETRICS AND EDUCATIONAL RESEARCH ASSOCIATION (IPERA), PATNA

ON

EVALUATION OF MODERN EDUCATIONAL SYSTEM

24-26 Sept., 2016

at

HARPRASAD INSTITUTE OF BEHAVIOURAL STUDIES (HIBS) AGRA.

IPERA

This is to certify that Dr. / Mr. / Mrs. डॉ. ज्योति मैवाल (प्राचार्य)

प्रशान्ति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडी, उज्जैन (म.प्र.) *has participated*

and also presented the paper entitled "आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के मूल्यांकन में निर्देशन एवं परार्मशन सेवा की आवश्यकता"

Reeta Raina
Authorized Signatory
HIBS

26th September, 2016

Riti Aggarwal
Authorized Signatory
IPERA

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

डॉ. अम्बेडकर पीठ

(सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का 125वाँ जयंती समारोह

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के सामाजिक प्रजातंत्र की संकल्पना एवं प्रासंगिकता''

29-30 मार्च 2016

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रो./डॉ ...ज्योति मेंवाल.....

ने राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 29-30 मार्च 2016 में प्रतिभागिता की सामाजिक प्रजातंत्र में महिलाओं के पक्षधर डॉ अंबेडकर विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया/व्याख्यान दिया/अध्यक्षता की।

डॉ.निवेदिता वर्मा
सह-समन्वयक
विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

आचार्य शैलेन्द्र पाराशर
समन्वयक
विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

PADM. DR. V. B. KOLTE COLLEGE OF ENGINEERING & POLYTECHNIC, MALKAPUR

International Conference on

"Recent Trends & Research in Engineering & Science"

ICRTRES

092

Certificate

This is to certify that Prof/Dr/Mr/Mrs/Ms Jyoti Malwal

of Vikram University Ujjain participant presented

Waste Material Management

in International Conference & Secured position —

Organized by Padm. Dr. V. B. Kolte College of Engineering Malkapur held on 01/04/2017

Conference Co-convener

Conference Convener

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Uj.
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

NAAC द्वारा B ग्रेड से अधिमान्य एवं UGC से 2(f) 12(B) की सम्बद्धता

महाराजा महाविद्यालय

देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)

एन.सी.टी.ई. से मान्यता एवं विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त

राष्ट्रीय संविमर्श

डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के सौजन्य से

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती डॉ. ज्योति मेवाल

पद नाम प्राचार्या संस्था प्रशांति कॉलेज आफ प्रोफ. स्टडीज ने महाराजा महाविद्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित ''डॉ. भीमराव अम्बेडकर के स्त्री-शिक्षा संबंधी विचारों की प्रासंगिकता'' विषय पर

दिनांक 30 जनवरी 2017 को राष्ट्रीय संविमर्श में सहभागिता की।

शोध-पत्र का विषय नारी विमर्श : आधुनिक सामाजिक एवं शैक्षिक चिंतन

अध्यक्ष राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना, उज्जैन	कार्यकारी निदेशक महाराजा महाविद्यालय, उज्जैन	प्राचार्य महाराजा महाविद्यालय, उज्जैन

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय एवं
अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका का संयुक्त आयोजन
28 फरवरी 2018 बुधवार
स्थान : त्रिवेणी संग्रहालय, जयसिंहपुरा, उज्जैन 456 006

अक्षर वार्ता

विषय

स्त्री विमर्श : परम्परा और नवीन आयाम
Discourse on Woman : Tradition and New Dimensions

क्रमांक 358

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / सुश्री / डॉ. ज्योति मैवाडा

संस्था प्रशान्ति शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन

ने अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका और त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, उज्जैन (म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग, भोपाल) द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2018 को आयोजित स्त्री विमर्श : परम्परा और नवीन आयाम पर केन्द्रित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की।

उन्होंने स्त्री विमर्श : "आधुनिक परिप्रेक्ष्य में महिला अधिकार और मानसिकता"

विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया / व्याख्यान दिया / सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा	डॉ. मोहन बैरागी	अशोक श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक अक्षर वार्ता	सम्पादक अक्षर वार्ता	प्रभारी अधिकारी
कलासंकाय एवं कुलानुशासक	अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका	त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र.	उज्जैन, म.प्र.	उज्जैन म.प्र.

कार्यालय : 43, क्षीरसागर, द्रविड़ मार्ग, उज्जैन, म.प्र. भारत 456 006, फोन : 0734-2550150
office : 43, Kshir Sagar, Dravid Marg, Ujjain, M.P. India 456 006, Phone : 0734-2550150
Website : www.aksharwarta.com, email : aksharwartajournal@gmail.com

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

ICSSR/UGC Sponsored
NATIONAL SEMINAR
on
Transforming India 2030 :
A Roadmap for Sustainable Development Goals

February 22-23, 2019

Organized by
Department of Economics
Faculty of Arts, Law & Social Sc.
Jai Narain Vyas University,
Jodhpur (Raj.)
INDIA

ICSSR

GOALS

UGC

Certificate

This is to Certify that Prof./Dr./Mr./Ms. Jyati Maiwal

Department of ..... University / College / Institute Prashanti College of Professional Study has participated in the National Seminar on Transforming India 2030 : A Roadmap for Sustainable Development Goals on 22nd - 23rd February, 2019 as a Keynote Speaker / Session Chair / Co-Chair / Invited Speaker / Participant. He/She has also presented a paper entitled उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी व्यक्तित्व का अध्ययन

Dr. Dev Karan
Convener
National Seminar

Dr. Madan Mohan
Head
Department of Economics

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

दैनिक भास्कर

नगर पालिक निगम, उज्जैन

RUN FOR SWACHHATA

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि

श्री/श्रीमती/संस्थान डॉ. ज्योति मैवास, प्रशांति शिक्षा महाविद्यालय
ने उज्जैन शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर 1 बनाने के उद्देश्य से जनजागृति हेतु
दैनिक भास्कर एवं नगर पालिक निगम, उज्जैन के संयुक्त आयोजन

"रन फॉर स्वच्छता"

में सहभागिता की तथा उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया।
दैनिक भास्कर परिवार आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

DIVINE

[illegible]
कार्यकारी संपादक - उज्जैन

[illegible]
यूनिट हेड - उज्जैन

दैनिक भास्कर दिव्य भास्कर दिव्य मराठी DBPOST bhaskar homeonline.com

India's Largest Newspaper Group | 12 States | 67 Editions | 4 Languages

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

The Bhopal School of Social Sciences

Affiliated to Barkatullah University, Bhopal
Promoted by the Catholic Archdiocese of Bhopal
NAAC Re-accredited Autonomous College under the UGC Scheme with 'A' Grade (CGPA 3.27)

National Seminar on Best Practices In Higher Education Institutions & Strategies Adopted for Quality Assurance

18 and 19 October, 2019

In Academic Collaboration with National Accreditation and Assessment Council (NAAC)
Sponsored by

University Grants Commission (UGC)
(Under Autonomous Grant)

Organised by: Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

Certificate of Appreciation

This is to Certify that Prof/Dr/Mr/Ms ज्योति मैवाल

from प्रशांती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडी, उज्जैन *has participated/presented paper entitled*

विद्यालयीन वातावरण में शैक्षिक गतिविधियों के आयोजन में शिक्षक की भूमिका

Dr Fr John P J
Patron & Principal

Dr Sheeba Joseph
Convener & Co-ordinator IQAC

Dr Smitha Pillai
Organizing Secretary

Ms Sheena Thomas
Organizing Secretary

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

RKDF UNIVERSITY, BHOPAL

Webinar on "Being Secure in the Digital Word"

30th September, 2021

Renowned Expert/Speaker

Dr. Varun Kapoor, IPS

Addl. Director General of Police M.P.

This is to Certify that Mr./Ms./Dr.:Dr Jyoti maiwal

Organisation/ Institute: Prashanti college of Professional Studies Ujjain

Participated in webinar on above topic organized by RKDF University, Bhopal (M.P.) India held on 30th September, 2021.

Dr. Sharad Gangele	Dr. B.N. Singh	Prof. (Dr.) Sudesh Kumar Sahani
Convener	Director Management	Vice Chancellor
Principal, Bhabha College of Engineering	RKDF University, Bhopal M.P.	RKDF University, Bhopal M.P.
RKDF University, Bhopal M.P.		

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Ministry of Ayush
Government of India

Registration No: SYNP-346719

FIT INDIA

Co-sponsored by

Certificate of Participation

To

Dr. Jyoti Maiwal

of

PRASHANTI COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES, UJJAIN

for Successful participation in mass

"SURYA NAMASKAR"

Demonstration programme with more than 75 Lakh People on Makar Sankranti

14TH JANUARY, 2022

Dr. Ishwar V. Basavaraddi
Head of Institution, YCB, &
Director, Morarji Desai National Institute of Yoga
Ministry of Ayush, Government of India
New Delhi

Issuing Date: 14-01-2022

INCHARGE
...RNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
...anti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

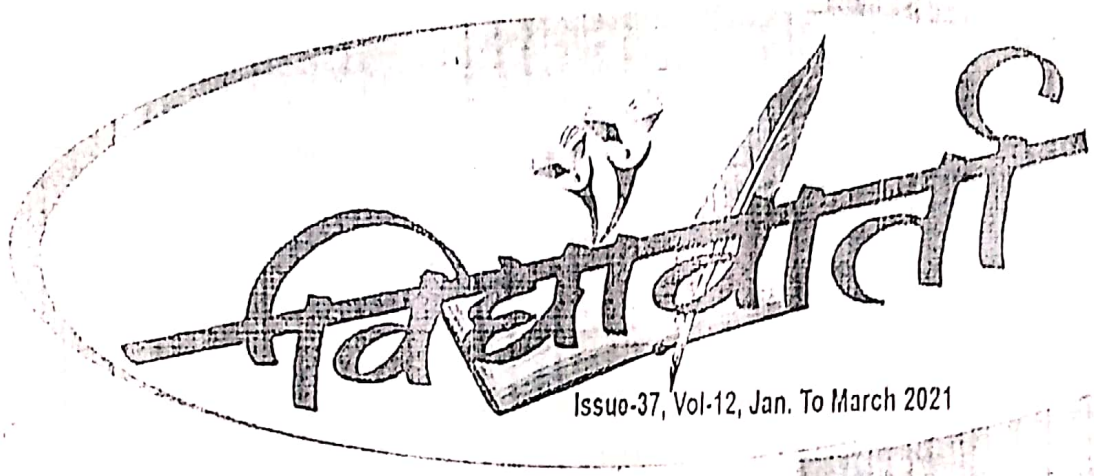

विद्यावार्ता

Issue-37, Vol-12, Jan. To March 2021

International Peer Reviewed Referred Research Journal

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

MAH/MUL/ 03051/2012 ISSN :2319 9318

आंतरविद्याशाखीय बहुभाषिक शोध पत्रिका

विद्यावार्ता™

Jan. To March 2021
Issue 37, Vol-12

Date of Publication
01 March 2021

Editor
Dr. Bapu g. Gholap
(M.A.Mar.& Pol.Sci.,B.Ed.Ph.D.NET.)

विद्येविना मति गेली, मतीविना नीति गेली
नीतिविना गति गेली, गतिविना वित्त गेले
वित्तविना शूद्र खचले, इतके अनर्थ एका अविद्येने केले

-महात्मा ज्योतीराव फुले

❖ विद्यावार्ता या आंतरविद्याशाखीय बहूभाषिक त्रैमासिकात व्यक्त झालेल्या मतांशी संपादक, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक सहमत असतीलच असे नाही. न्यायक्षेत्र:बीड

"Printed by: Harshwardhan Publication Pvt.Ltd. Published by Ghodke Archana Rajendra & Printed & published at Harshwardhan Publication Pvt.Ltd ,At Post. Limbaganesh Dist,Beed -431122 (Maharashtra) and Editor Dr. Gholap Bapu Ganpat

Reg.No U74120 MH2013 PTC 251205

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
At Post.Limbaganesh,Tq Dist Beed
Pin-431126 (Maharashtra) Cell 07588057695,09850203295
harshwardhanpubli@gmail.com, vidyawarta@gmail.com

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

New Delhi: Kanishka Pubkishers, 3 3Kalinak,K. (1992). Settling the Score, University of Wisconsin Press, 24.

4. Sinha, K. (n.d.). Patkatha lekhan ke tatva,171.

5. Pandey, S. G. (1966). Sahityakar Ki Aastha Tatha Anya Nibandh. Allahabad: Lokbharti Prakashan,119

6. Eisler, T. A. (1947). Composing for the films. New York: Oxford University Press, 59.

7. Smith, S. C. (2002). A Heart at Fire's Center: The Life and Music of Bernard Herrmann. London: University of California Press,122.

8. Ranchan, V. (2013). Story of a Bollywood Songs. Abhinav Publication, 89.

9. DK Illustrated Oxford Dictionary, Dorling Kindersley Limited and Oxford University Press, 2011

10. Kalinak,K. (1992). Settling the Score. University of Wisconsin Press,9.

11. Wingstedt, J. (2005). Narrative Music: Towards and Understanding of Musical Narrative Functions in Multimedia, (Licentiate thesis). School of Music, Luleå University of Technology, Sweden, 17.

12. Sasidharan, T. (2009). Hindi Film aur Filmi Geet - Udbhav aur Vikas : Vishayvastu. Kannur : Kannur University.

13. "Music in the Cinema," New York Times, 29 September 1935,4.

□□□

08

Mysticism

Dr. Jyoti Maiwal
Principal,
Prashanti College of Professional Studies
Ujjain (M.P.)

Shirly Singh
Research Scholar
Ujjain (M.P.)

Mysticism, the practice of religious ecstasies (religious experiences during alternate states of consciousness), together with whatever ideologies, ethics, rites, myths, legends, and magic may be related to them. Mysticism is the heart of every minor and major religion. The experience affirms to the religious that the beyond is not Nothingness but there is a spiritual reality, which has created and now controls the universe. The longing for God give arise to such an experience when the seeker comes face to face with the ultimate reality. There is no subject more enduringly provocative than mysticism. To ignore mystics or mystic experience is not only a prejudice or a still born child of the rationalist but missing a tour in heaven.

It is a kind of knowledge, which brings a kind of power. This knowledge sharpens the psychic faculties and eyes wrapped with a piece of cloth, a magician can drive cycle in a crowded street, where in mysticism the mind is yoked to a motion less object real or imaginary. The senses are withdrawn, the mind is turned inward, the driving force is longing for God. It is flight of the finite to take rest into the bosom of the infinite. The difference between magic and mysticism is that in the former case a person acquires a knowledge by which he can claim to

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

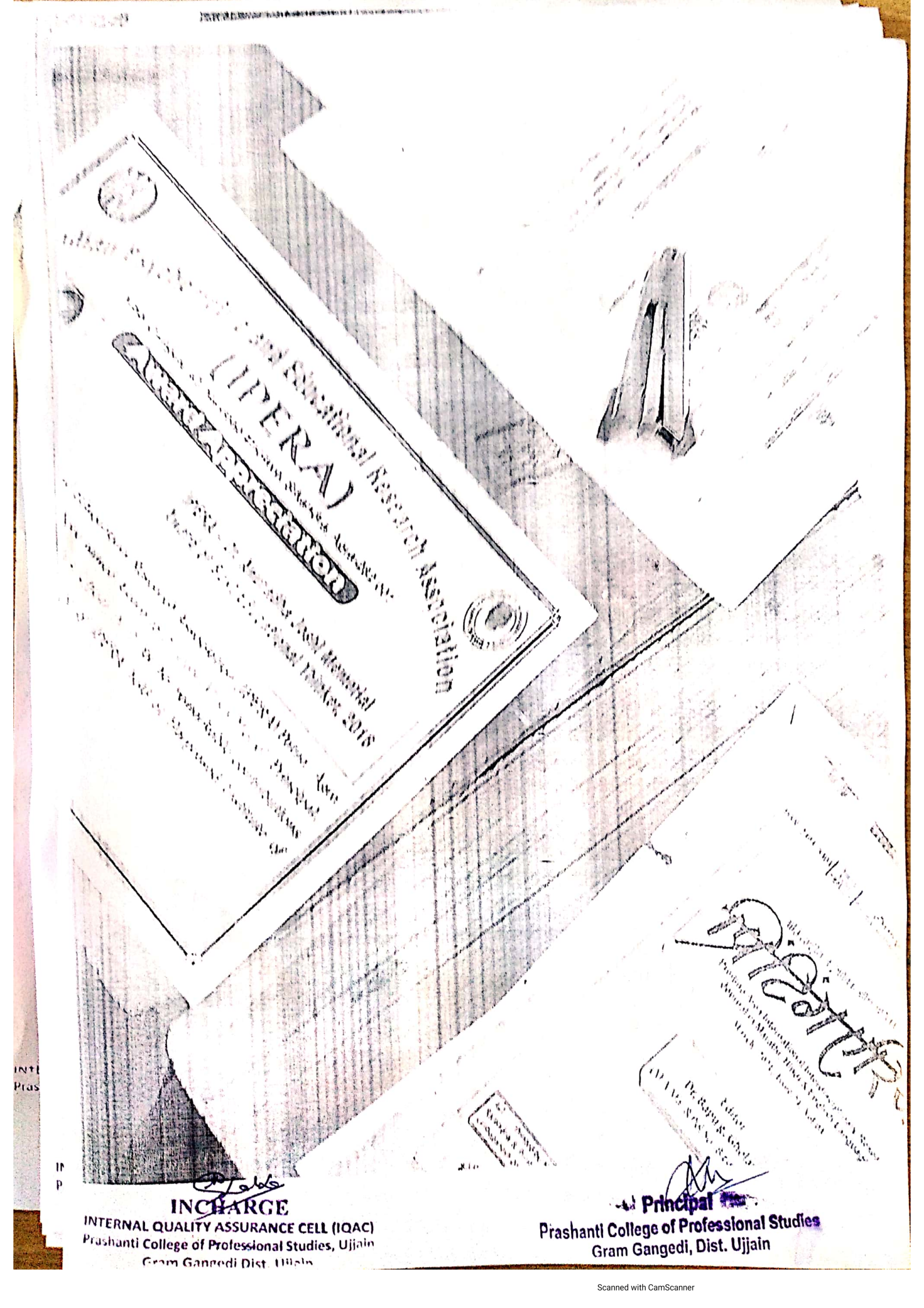

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

आंतरराष्ट्रीय बहुभाषिक शोध पत्रिका

प्रिंटिंग एरिया

Printing Area International Interdisciplinary Research Journal in Marathi, Hindi & English Languages

March, 2021, Issue-74, Vol-03

Editor

Dr. Bapu g. Gholap

(M.A.Mar.& Pol.Sci.,B.Ed.Ph.D.NET.)

"Printed by: Harshwardhan Publication Pvt.Ltd. Published by Ghodke Archana Rajendra & Printed & published at Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.,At.Post. Limbaganesh Dist,Beed -431122 (Maharashtra) and Editor Dr. Gholap Bapu Ganpat"

Reg.No U74120 MH2013 PTC 251205

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.

At.Post.Limbaganesh Tq Dist.Beed

Pin-431126 (Maharashtra) Cell 07588057695,09850203295

harshwardhanpubli@gmail.com, vidyawarta@gmail.com

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

02

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

ISSN 2321-5920

Review Article

ROLE OF AN IMPORTANCE OF ACTIVITIES IN SCHOOL ENVIRONMENT

ANIL BABU[1], AND JYOTI MAIWAL[2]

[1]Lecturer, Saraswati Shiksha Mahavidhyalay, Mandsaur, District Mandsaur, 458001, Madhya Pradesh, India. [2]Principal, Prashanti College of Professional Studies, Ujjain, Madhya Pradesh, India. Email and mp@...

Received 21 August 2014, Revised and Accepted 10 September 2014

ABSTRACT

Keywords: ...

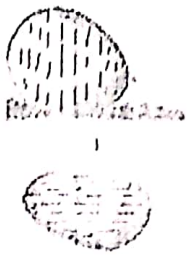

INTRODUCTION

Creative Activity

Science Experiment Activity

Classroom Learning Activity

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

SHODHASAMHITA
शोधसंहिता

ISSN 2277-7067
UGC CARE Group I

प्रतिभाशाली बालकों तथा सामान्य बालकों में अंग्रेजी भाषा के प्रति उनकी रूचि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. अन्तिम बाला पाण्डेय
प्रशान्ति शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन

डॉ. ज्योति मेवाल
प्रशान्ति शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन

सारांश - सामान्य रूप से सभी बालक समान होते है, किन्तु जब उन पर मनोवेज्ञानिक परिक्षण डाला जाए तो उनमें से कुछ अच्छी बुद्धि व कुछ औसत बुद्धि वाले बालक होते है। बुद्धिलब्धि के मापन के अंतर्गत बालकों की श्रेणी का निर्माण किया जाता है। मनुष्य अन्य प्राणियों से अधिक संवेदनशील और बुद्धिमान प्राणी है। अपने आप को अभिव्यक्त करना उसकी प्रवृत्ति है। समाज में अन्य व्यक्तियों के साथ अपने विचारो को आदान प्रदान करने के लिए उसे किसी न किसी भाषा का होना जरूरी है। ये भाषा किसी न किसी राष्ट्र की होती है। इस शोध को करने का उद्देश्य प्रतिभाशाली बालक तथा सामान्य बालकों को अंग्रेजी भाषा में रूचि तथा अंग्रेजी भाषा के महत्व को जानने की कोशिश की गई है। दोनो प्रकार के बालक अंग्रेजी को पढ़ने में क्या योग्यता रखते है। शोध के उद्देश्य के रूप में सामान्य बालकों व प्रतिभाशाली बालकों को अंग्रेजी भाषा सीखने के प्रति रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता। परिसीमन में उज्जैन के प्रतिभाशाली व सामान्य बालक जिनकी उम्र १०-१२ वर्ष है निष्कर्ष के रूप में उनमे कोई सार्थक अंतर नही पाया जाता है।

प्रस्तावना - भाषा विचार की पोषक है भाषा को वैचारिक आदान प्रदान का माध्यम कहा जाता है। भाषा को अभिव्यक्ति का सर्वाधिक विश्वसनीय माध्यम माना जाता है। यही नहीं हमारे समाज के निर्माण विकास अस्मिता समाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। अंग्रेजी भाषा जनसंख्या की दृष्टि से विश्व की प्रमुख भाषा तथा महत्व के आधार पर राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। अंग्रेजी भाषा दुनिया की महान शक्तियों के साथ कई राष्ट्र की मुख्य भाषा है तथा बहुत से राज्यों की द्वितीय प्रमुख भाषा है तथा यह विज्ञान की तकनीकी प्रचार-प्रसार की भी भाषा है विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों को संयुक्त राष्ट्र महासंघ विश्व स्वास्थ्य संगठन विश्व व्यापार आदि की भाषा भी माना जाता है। अतः इस भाषा के प्रति विद्यार्थियों की रूचि का होना अति आवश्यक है।

उद्देश्य -

- सामान्य व प्रतिभाशाली बालकों का अंग्रेजी भाषा के प्रति रूचि का अध्ययन।
- सामान्य व प्रतिभाशाली बालकों का अंग्रेजी भाषा के माध्यम में अध्ययन के प्रति रूचि का अध्ययन।

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

SHODHASAMHITA
शोधसंहिता
ISSN No. 2277-7067

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that

डॉ. [illegible]
प्रशांति शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन

For the paper entitled

प्रतिभाशाली बालकों तथा सामान्य बालकों में अंग्रेजी भाषा के प्रति [illegible] का तुलनात्मक अध्ययन

Vol. No. IX, Issue- 5 (II) January – June 2022

In

Shodhsamhita

Impact Factor: 4.95

UGC Care Group 1 Journal

[illegible]

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Shikshamitra

शिक्षामित्र

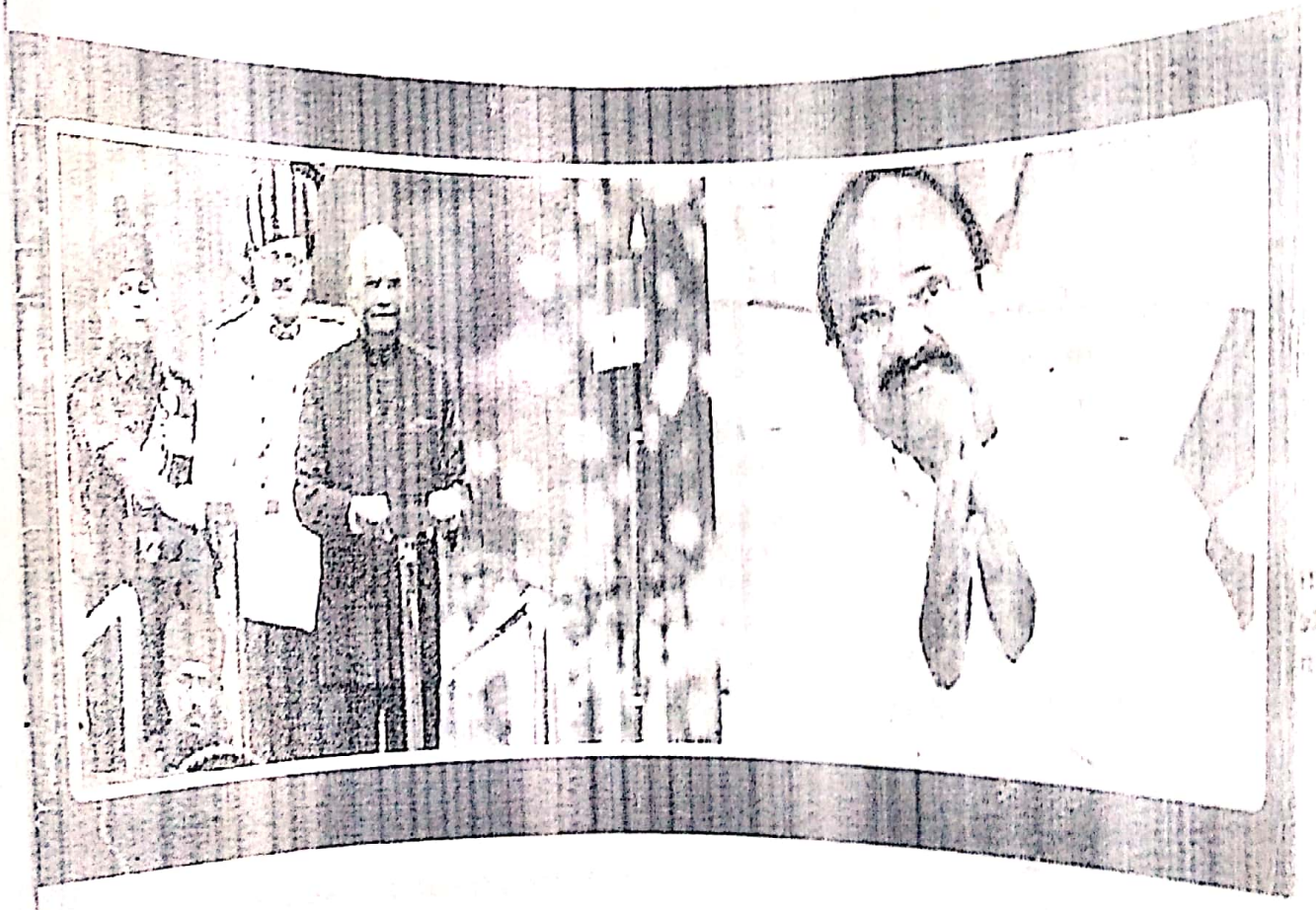

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

डॉ. अन्तिम बाला पाण्डेय
प्रशान्ति शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन

डॉ. ज्योति भेवाल
प्रशान्ति शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन

सारांश - सामान्य रूप से सभी बालक समान होते है, किन्तु जब उन पर मनोवैज्ञानिक परिक्षण डाला जाए तो उनमें से कुछ अच्छे बुद्धि व कुछ औसत बुद्धि वाले बालक होते है। बुद्धिलब्धि के मापन के अंतर्गत बालकों की श्रेणी का निर्माण किया जाता है। मनुष्य अन्य प्राणियों से अधिक संवेदनशील और बुद्धिमान प्राणी है। अपने आप को अभिव्यक्त करना उसकी प्रवृत्ति है। समाज में अन्य व्यक्तियों के साथ अपने विचारो को आदान प्रदान करने के लिए उसे किसी न किसी भाषा का होना जरूरी है। ये भाषा किसी न किसी राष्ट्र की होती है। इस शोध को करने का उद्देश्य प्रतिभाशाली बालक तथा सामान्य बालकों की अंग्रेजी भाषा में रूचि तथा अंग्रेजी भाषा के महत्व को जानने की कोशिश की गई है। दोनो प्रकार के बालक अंग्रेजी को पढ़ने में क्या दिलचस्पी रखते है। शोध के उद्देश्य के रूप में सामान्य बालकों व प्रतिभाशाली बालकों को अंग्रेजी भाषा सीखने के प्रति रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं होता। परिसीमन में उज्जैन के प्रतिभाशाली व सामान्य बालक जिनकी उम्र १० -१२ वर्ष है निष्कर्ष के रूप में उनमे कोई सार्थक अंतर नही पाया जाता है।

प्रस्तावना - भाषा विचार को पोषक है भाषा को वैचारिक आदान प्रदान का माध्यम कहा जाता है। भाषा को अभिव्यक्ति का सर्वाधिक विश्वसनीय माध्यम माना जाता है। यही नहीं हमारे समाज के निर्माण विकास अस्मिता समाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। अंग्रेजी भाषा जनसंख्या की दृष्टि से विश्व की प्रमुख भाषा तथा महत्व के आधार पर राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। अंग्रेजी भाषा दुनिया की महान शक्तियों के साथ कई राष्ट्र की मुख्य भाषा है तथा बहुत से राज्यों की द्वितीय प्रमुख भाषा है तथा यह विज्ञान की तकनीकी प्रचार-प्रसार की भी भाषा है विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों को संयुक्त राष्ट्र महासंघ विश्व स्वास्थ्य संगठन विश्व व्यापार आदि की भाषा भी माना जाता है। अतः इस भाषा के प्रति विद्यार्थियों की रूचि का होना अति आवश्यक है।

उद्देश्य -

- सामान्य व प्रतिभाशाली बालकों का अंग्रेजी भाषा के प्रति रूचि का अध्ययन।
- सामान्य व प्रतिभाशाली बालकों का अंग्रेजी भाषा के माध्यम में अध्ययन के प्रति रूचि का अध्ययन।

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

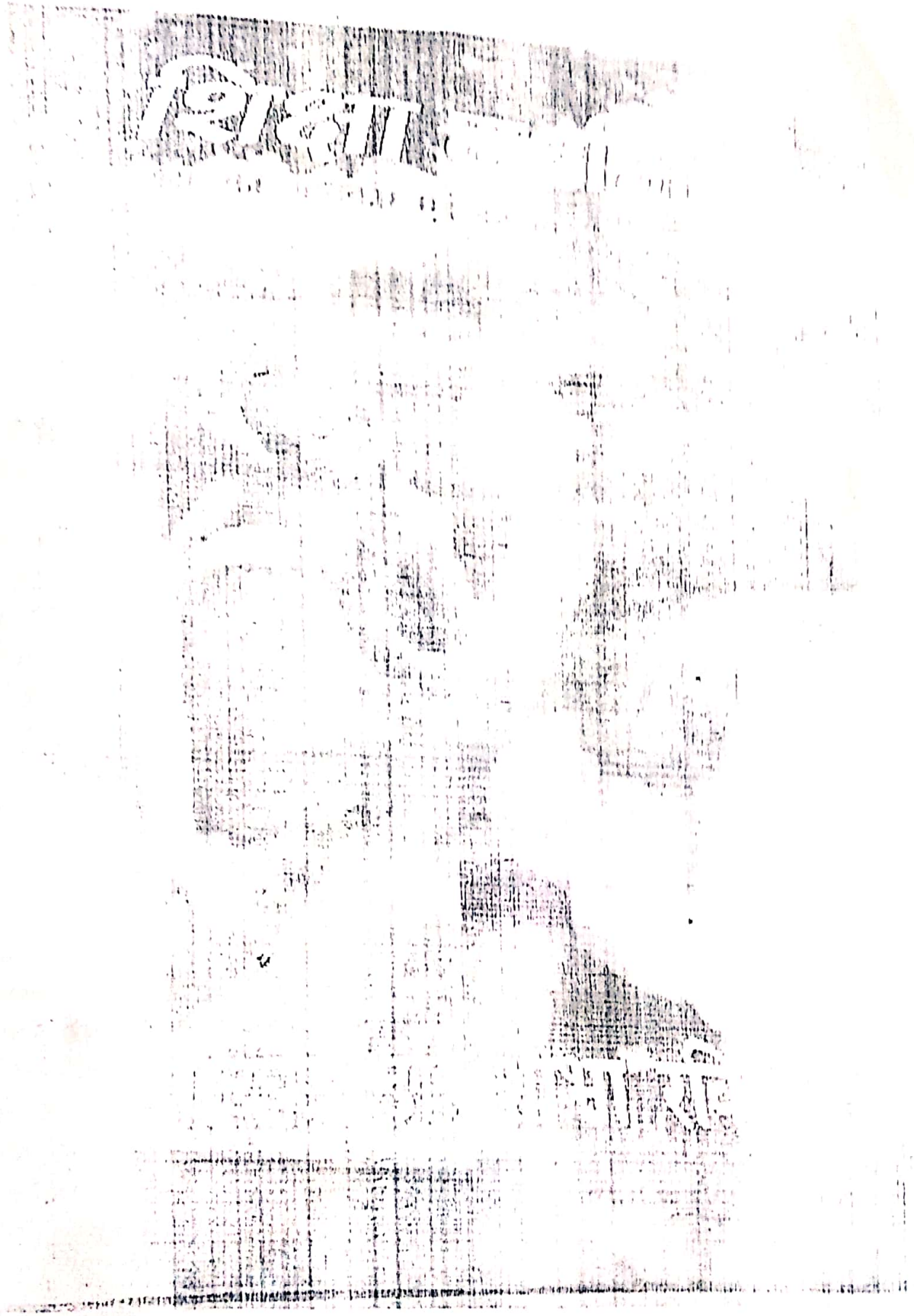

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

SHIKSHAMITRA (ISSN : 0976-3406) 2017, 10 (1) Pages : 25-27

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में मूल्यपरकता की आवश्यकता

ज्योति मेवाल[1] एवं पल्लवी मेवाल[2]

आज का छात्र भारत की प्राचीन संस्कृति तथा मूल्यों में अपनी आस्था खोता चला जा रहा है। अधीर, उग्र व स्वच्छन्दता में विश्वास रखने वाले विद्यार्थी का ध्यान साधन व साध्यों की ओर से हट गया है। देश की भावी प्रगति व सुसंगठित व स्वस्थ भावी समाज की स्थापना का गुरुतर दायित्व देश के भावी नागरिकों को ही निभाना है। मूल्य विमुख समाज त्याज्य है तथा हमें आज के युग में लुप्त हो रहे सत्य, अहिंसा, दया, प्रेम, परोपकार, धैर्य सहानुभूति, अभय, दान, साहस, क्षमा, आदि मानवीय मूल्यों के विकास को सुनिश्चित करना है। जब हम मूल्यपरक शिक्षा की बात करते हैं तब हमारी मंशा यह रहती है कि शिक्षा के क्षेत्र में समुचित मूल्यों, दृष्टिकोणों, भावनाओं व व्यवहार मानकों को सुव्यवस्थित रुप से विकसित किया जाय। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी शिक्षा द्वारा मानव मूल्यों को विकसित करने की बात पर बल दिया गया है। अब प्रश्न उठता है शिक्षा द्वारा किन मूल्यों को विकसित किया जाय? हमें उन मूल्यों का निर्माण करने की कोशिशें करनी होगी जो सभी भारतवासियों को मान्य हों। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कहा गया है—हमारे बहुवर्गीय समाज में शिक्षा को सर्वव्यापी और भागवत मूल्यों को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि भारतीय जन में राष्ट्रीय एकता की भावना बढ़े और संकीर्ण सम्प्रदायवाद, धार्मिक हिंसा, अन्ध-विश्वास व भाग्यवाद को समाप्त किया जा सके।

भारतीय शिक्षा का इतिहास सतत् समृद्ध रहा है। जिसका मूल शिक्षा को मानवीय मूल्यों, व्यवहारों, मूल्यांकनों एवं परिणामों के आधार पर चिंतकों शिक्षाविदों द्वारा पुख्ता एवं सम्बल दिया जाता था। जिन्होंने मानव जगत को सत्य और अहिंसा, जियो और जीने दो, वसुधैव कुटुम्बकम जैसे उच्च मानक प्रदान किए। काल के प्रवाह में भौतिक विकास, स्वार्थ, कुत्सितावश हमारे मार्गदर्शकों ने इन मूल्यों का शोषण कर अपने हितार्थ एवं प्रभाव से स्वयं के मूल्य एवं मानक निर्धारित कर देश को जर्जर हालात पर लाकर खड़ा कर दिया चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, सामाजिक सरोकार का क्षेत्र हो या राजनैतिक नेतृत्व का। हम हर क्षेत्र में अपने भारतीय मूल्यों एवं मानकों को पलीथा लगाकर विदेशी आयत मूल्यों का शिक्षण जैसे संवदेनशील क्षेत्र में उन्हें अखतियार कर रहे हैं। परिणामस्वरूप यह कि शिक्षा क्षेत्र से मूल्य केन्द्रित शिक्षा को वनवास दे दिया गया है जिसके गंभीर परिणाम देश को बर्दाशत करने पड़ रहे हैं वह है स्वयं का विनाश। देश के पतन पर ठहरकर चिंतन करें उसमें स्वयं के लिए क्या कृत्य श्रेष्ठ है? उस पर प्राथमिकता के आधार पर अमूल करें तो यह चिंतन, यह सोच ही मूल्यों का चिंतन है जो कि हमें शिक्षा जगत का अध्येता होने के नाते हमें मानव होने की संज्ञा प्रदान करती है। बिना मूल्य शिक्षा के हमारे पास, राष्ट्र के पास भटकाव एवं गुलामी की मानसिकता के अलावा हमारा अपना कुछ न होकर शेष भी धूमिल होकर मिट जाऐगा।

आज हम मूल्यों पर इतना दिखोरा पीट रहे हैं यह है क्या? इनकी आवश्यकता क्यों? यदि यह मानव जीवन के अपरिहार्य है तो इन्हें कैसे आमजन को सिखाया जा सकता है। इन प्रश्नों के ठोस एवं आलाजवाब मिलने के पश्चात् ही मूल्य केन्द्रित समाज एवं राष्ट्र के निर्माण को पुख्ता किया जा सकता है।

1. प्राचार्या, प्रशांति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, उज्जैन (म. प्र.)
2. एम. आई. जी. अलाजनन्दा नगर, उज्जैन (म. प्र.)

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

ISBN : 978-93-82937-09-8

पूर्व सी. महाविद्यालय भोपाल के विशेष सहयोग से... विचारों का संग्रह

सम्पादक मण्डल
डॉ. हेमन्त नामदेव, डॉ. विनीता अवस्थी
डॉ. पी. बी. श्रीवास्तव, डॉ. रवि मिश्रा
डॉ. आर. एस. गौरसिया, डॉ. जाफर महमूद

सम्पादिका

प्रथम संस्करण : 2014

मूल्य : ₹ 900/- मात्र

मुख्य सज्जा :
... ग्राफिक्स

मुद्रक :
... प्रिन्टर्स, कानपुर

प्रकाशक :
निखिल पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
'... कृपा' विष्णु कॉलोनी शाहगंज, आगरा

... 8009531-38
email: nikhilbooks.786@gmail.com
visit us: www.nikhilbooks.com

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
...anti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

Volume - 4 June 2016 ISSN : 2321-9920

APOLLO JOURNAL OF Educational Research

A Refereed & Peer Reviewed Journal

APOLLO COLLEGE

NAAC Accredited "B" Grade

Affiliated to Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

AJER, Durg (ISSN : 2321–9920)
June, 2016, Vol. (4) : 70-72
© Apollo Journal of Educational Research

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के मूल्यांकन में निर्देशन एवं परामर्शन सेवा की आवश्यकता

डॉ. ज्योति मैवाल[1] एवं अनिल बाबू[2]

सारांश

निर्देशन एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसमें अधिक अनुभवी एवं जानकार व्यक्ति शिक्षार्थियों की समस्याओं के समायोजन हेतु मदद करता है। आधुनिक युग इतना बहुआयामी विकास समेटे हुए है कि इसको परिभाषित करना कठिन हो गया है। कभी इसे विज्ञान एवं तकनीकी युग तो कभी आन्तरिक युग या सूचना क्रांति का युग कहते हैं। इस आधुनिक युग में जीवन के सभी क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन देखा जा सकता है। शिक्षा व्यवस्था भी इससे अछूती नहीं रही है। आज आधुनिक शिक्षा प्रक्रिया के स्वरूप में भी परिवर्तन आया है। अनेक प्रकार के नये-नये प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है जिससे आज शिक्षार्थियों के सामने अनेक प्रकार की नयी-नयी कठिनाइयाँ उभर कर सामने आयी हैं। आज तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रगति ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किये हैं। परम्परागत शिक्षा के स्थान पर तकनीकी शिक्षा के प्रचलन में वृद्धि हुई है। आज कम्प्यूटर, इंटरनेट, ई-लर्निंग, ई-बुक, सक्रिय अधिगम प्रविधि, ऑन लाइन लेक्चर के क्षेत्र में प्रगति हुई है। निर्देशन एवं परामर्शन प्रक्रिया के माध्यम से आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में हम वह लौ जगा सकते हैं, जहाँ ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी एवं सायबर युग के साथ कदम मिलाकर शिक्षार्थियों में मल्टी डायमेनशनल पर्सनलिटी डेवलप कर उन्हें आधुनिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं।

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के उत्कृष्ट मूल्यांकन में निर्देशन एवं परमर्शन सेवा की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। वास्तव में देखा जाये तो मूल्यांकन किसी भी शैक्षिक प्रक्रिया का अभिन्न अंग माना जाता है। मूल्यांकन के माध्यम से हम शिक्षार्थी, शिक्षक एवं शिक्षा व्यवस्था की उपलब्धियों का आकलन कर सकते हैं। मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से हमें ज्ञात होता है कि शिक्षार्थियों ने सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया पर अपनी समझ बनायी है या नहीं। आज आधुनिकीकरण के दौर में शिक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं, जिस कारण शिक्षार्थी को प्रत्येक मोड़ पर विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्राचीन काल में विद्यार्थी जीवन सरल था जिससे वे अपना शैक्षिक जीवन सौहार्द्रपूर्ण ढंग से व्यतीत करते थे। यह सच है कि समस्याएँ निर्देशन को जन्म देती हैं। शिक्षार्थी जितनी अधिक समस्याओं से घिरा रहेगा, उसे उतनी ही अधिक निर्देशन एवं परामर्श की आवश्यकता का अनुभव होगा। निर्देशन एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। इसमें एक व्यक्ति जो अधिक अनुभवी एवं जानकार (परामर्शदाता) के द्वारा इस प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है कि वह विद्यार्थियों की सभी तरह की अन्तर्निहित शक्तियों, क्षमताओं, योग्यताओं, अभिरुचियों तथा मानसिक स्तर को समझकर विद्यार्थियों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान करने में मदद करता है। आज आधुनिक

1. प्राचार्या, प्रशान्ति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडी, उज्जैन (म.प्र.)
2. असिस्टेंट प्रोफेसर, सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, मंदसौर (म.प्र.)

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

8th

International Conference

of

Indian Psychometrics & Educational Research Association

(IPERA), PATNA

24-25-26 September, 2016

Organized by and at

Prasad Institute of Behavioural Studies

41-42, Hardeep Enclave, Sikandra, Agra-282 007

on

Evaluation of Modern Educational System

Recipient of Award

Dr. Jyoti Vivek Mewal

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

3 INTER ATIONA ONFERE

OF

METRICS AND UCATIONAL RES RCH ASSOCI

EV UATION OF MODERN EDUCATIONAL S

at

RAS D INSTITUTE OF BEHAVIOURAL STUDIES

डॉ. ज्योति मैठाल (प्राचार्य)

प्रशान्ति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडी. उज्जैन (म.प्र.)

"आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के मूल्यांकन में

निर्देशन एवं परामर्शन सेवा की आवश्यकता"

26 September, 2016

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

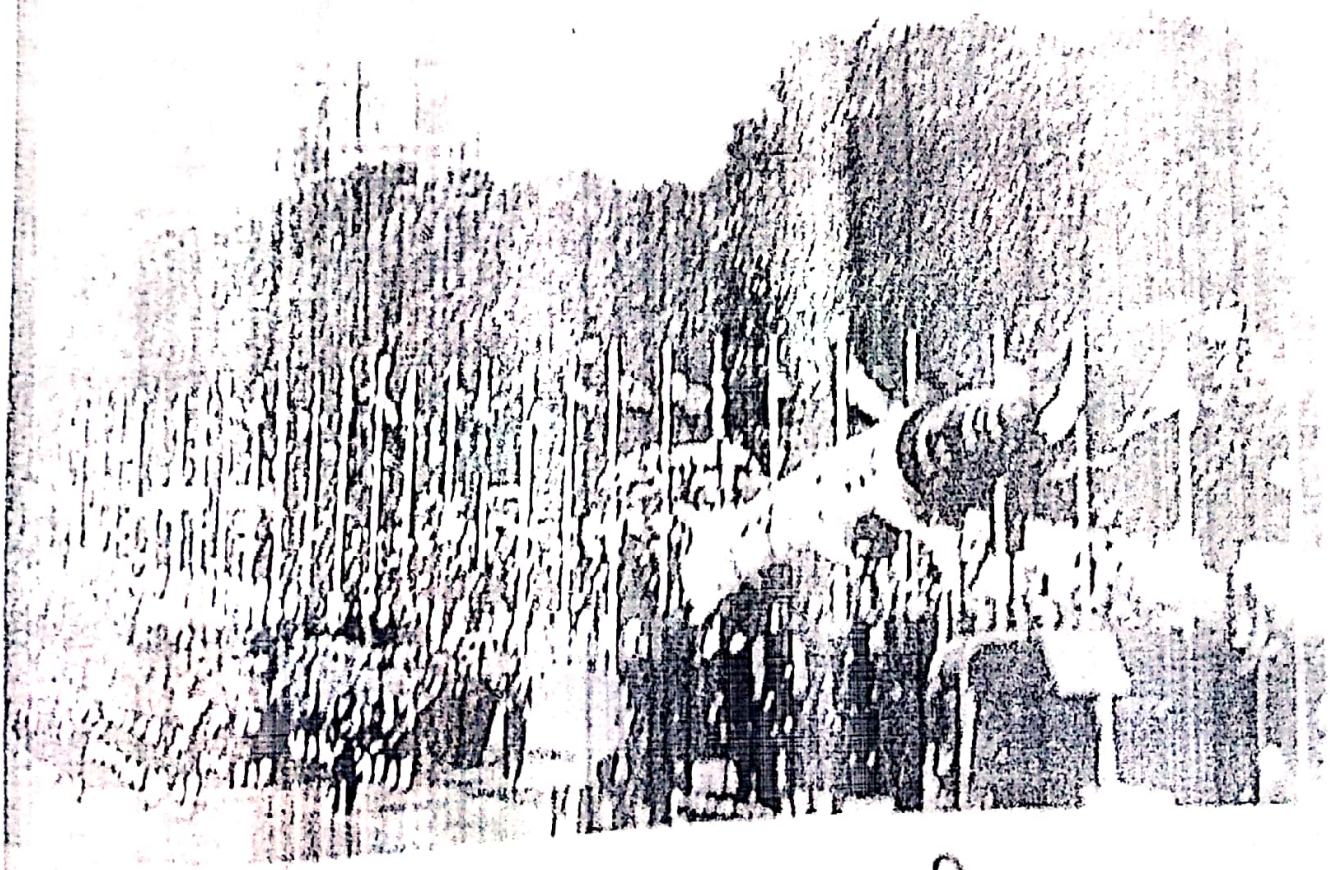

डॉ० घनश्याम भारती

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

१४. ...
प्रो. सोनमा सोनी, डॉ० स्वाती निगम
१५. गुमनाम नायिकाओं की स्वाधीनता आंदोलन में भूमिका ११६
डॉ० निशारा मसूरकर
१६. हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय भावना १२७
डॉ० अनीता अग्रवाल
१७. हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना १३३
श्रीमती राजकिशोरी मिंज
१८. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधीजी की देन :
एक अध्ययन १३८
प्रा. डॉ० जितेश नारायण चौहाण
१९. धार्मिक राजनीति का जनसमुदाय पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव १४६
डॉ० सुनिल एल. त्रिभुवन
२०. राष्ट्रवाद पर स्वामी दयानन्द सरस्वती का चिंतन १५५
दहातों डेसोपान भानुदास
२१. हिंदी साहित्य में राष्ट्रीयता १६२
संजय साह
२२. अलका सरावगी के 'कलि-कथा वाया बाइपास' उपन्यास
में राष्ट्रीय चेतना का अनुशीलन १७२
कविता कोठारी
२३. सरदार वल्लभभाई पटेल और राष्ट्रीय एकता १८२
एन. हरि प्रसाद, डॉ० डी. सहदेवुडू
२४. तिरंगा के खातिर शहीद होने वाली वीरांगना कनकलता बरूआ १८८
किरण कलिता
२५. भारतीय अर्थव्यवस्था में सतत विकास १९२
देवऋषि भलावी
२६. Subhash Chandra, a gem of Indian freedom
Movement २००
Ramen Goswami
२७. मध्यकालीन हिंदी भक्ति साहित्य में राष्ट्रीय बोध २०७
डॉ० अनिल कुमार

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist - Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist ...

Scanned with CamScanner

स्वामी विवेकानन्द और राष्ट्रवाद

प्रो.समीक्षा सोनी

डॉ.रूपाली दिसावल

प्रशांति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, उज्जैन

प्रस्तावना :

भारतवर्ष आदिकाल से महापुरुषों की जन्मभूमि माना गया है। इन सभी महान आत्माओं ने संस्कृति विरासत को अपनी आध्यात्मिक [illegible] विचारधाराओं से सिंचित किया। इन सभी ने धर्म प्रचार के [illegible] साथ-साथ शिक्षा समस्याओं के समाधान हेतु भी अपने मौलिक विचार प्रस्तुत किये हैं। स्वामी विवेकानन्द जी भी यह महान विभूति थे [illegible] वेदान्त सिद्धान्त तथा व्यावहारिक वेदान्त को लोक जीवन का [illegible] बनाया और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए वह सर्वसाधारण [illegible] की शिक्षा तथा स्त्री-शिक्षा को बल देते थे और शिक्षा द्वारा समाज [illegible] नई दिशा देना चाहते थे।

स्वामी विवेकानन्द का जीवन परिचय

स्वामी विवेकानन्द के पूर्वजों का आदि निवास [illegible] (पश्चिमी बंगाल) ज़िले के कालना महकमे के अन्तर्गत डेरेटोना [illegible] था। ब्रिटिश शासनकाल में वह लोग गाँव छोड़कर कलकत्ता आ [illegible] उनमें गहन गम्भीर चिन्तन शक्ति जागृत हुई और संसार के [illegible] आकर्षण बढ़ता गया परन्तु वह जगत के प्रति निष्ठुर नहीं हुए। [illegible] अत्यन्त [illegible] तथा विपदाओं से घिरे हुए व्यक्ति की [illegible]

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

... you can download the Published Paper, e-Certificate(s) and Confirmation Letter by logging into your account at AUTHOR HOME using your registration ID (IJRAR_234187) and email ID (ssoni77...n@gmail.com).

Following are the details regarding the published Paper:

Registration ID:	IJRAR_234187
Paper ID:	IJRAR21B1964
Paper Title:	शिक्षा में मातृभाषा की प्रासंगिकता शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS (IJRAR) | E-ISSN 2348-1269, P- ISSN 2349-5138
An International Open Access Journal

The Board of
International Journal of Research and Analytical Reviews (IJRAR)
Is hereby awarding this certificate to
à¤¸à¤®à¥€à¤•à¥•à¤·à¤¾ à¤¸à¥‹à¤¨à¥€
In recognition of the publication of the paper entitled

[illegible]

[illegible]

PAPER ID : IJRAR21B1964
Registration ID : 234187

EDITOR IN CHIEF

UGC and ISSN Approved - International Peer Reviewed Journal, Refereed Journal, Indexed Journal, Impact Factor: 5.75 Google Scholar
INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS | IJRAR
An International Open Access Journal | Approved by ISSN and UGC
Website: www.ijrar.org | Email id: editor@ijrar.org | ESTD: 2014

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS (IJRAR) | E-ISSN 2348-1269, P- ISSN 2349-5138
An International Open Access Journal

The Board of
International Journal of Research and Analytical Reviews (IJRAR)
Is hereby awarding this certificate to
à¤¡à¥‰. à¤°à¥•à¤ªà¤¾à¤²à¥€ à¤¦à¤¿à¤¸à¤¾à¤µà¤²
In recognition of the publication of the paper entitled

[illegible]

[illegible]

EDITOR IN CHIEF

PAPER ID : IJRAR21B1964
Registration ID : 234187

UGC and ISSN Approved - International Peer Reviewed Journal, Refereed Journal, Indexed Journal, Impact Factor: 5.75 Google Scholar
INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS | IJRAR
... Access Journal | Approved by ISSN and UGC

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

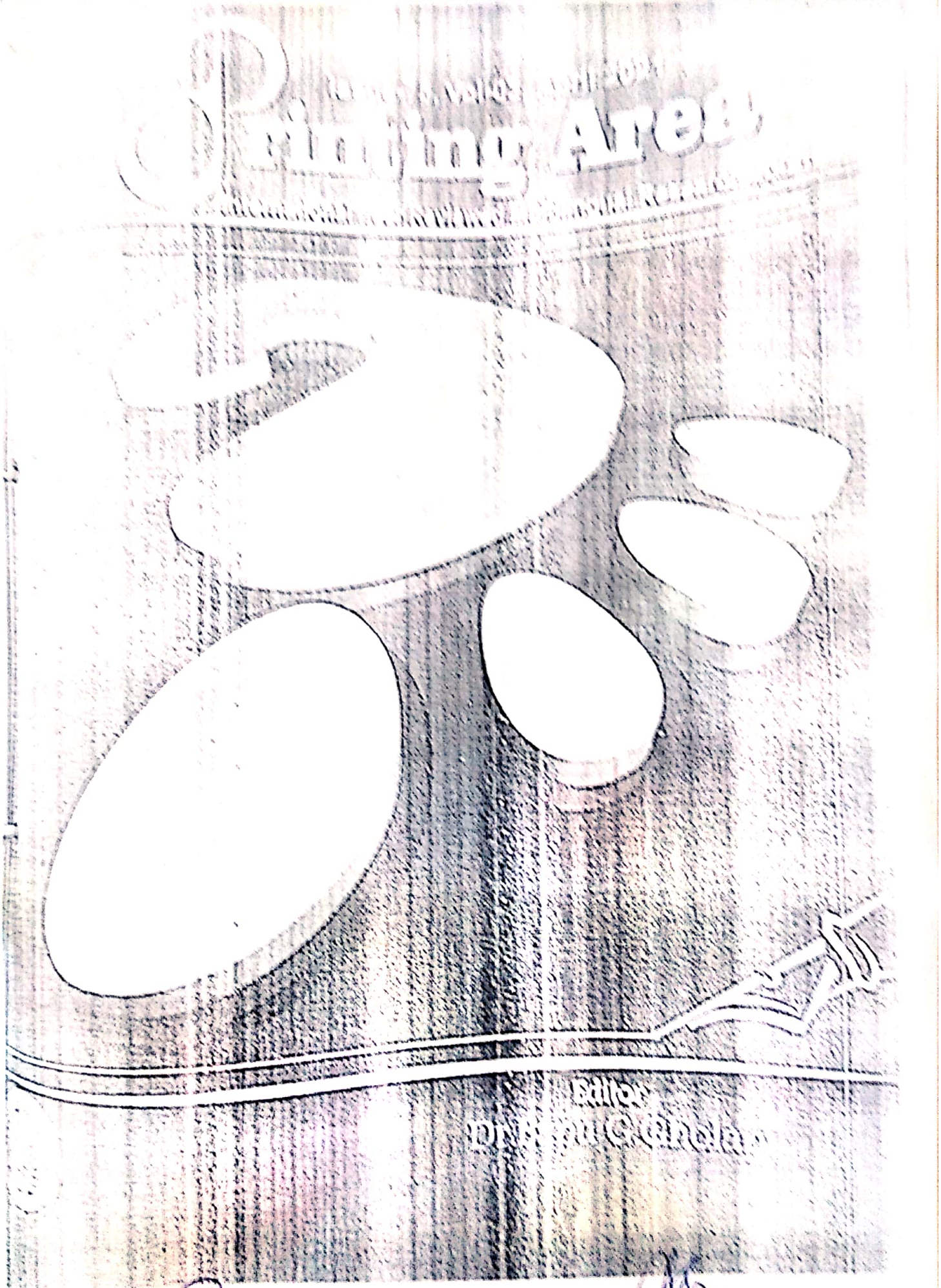

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
[illegible]nti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Ganpodi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Ganpodi, Dist. [illegible]

Scanned with CamScanner

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies

Scanned with CamScanner

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Ganpadi

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Ganpadi Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण हेतु
शिक्षक शिक्षा

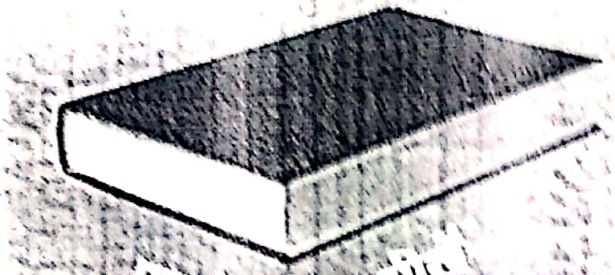

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies

Scanned with CamScanner

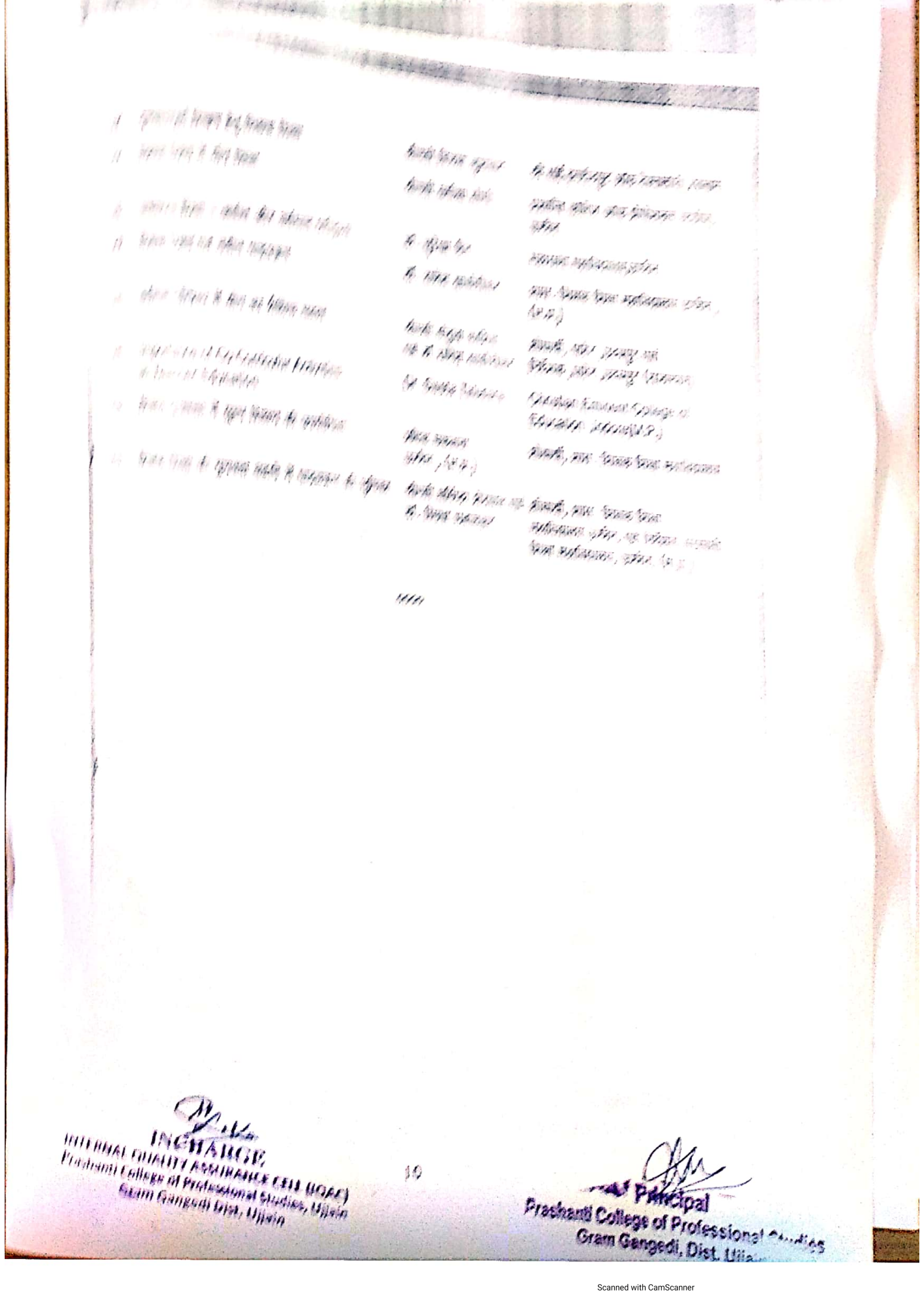

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

शिक्षक शिक्षा में योग शिक्षा

- श्रीमती समीक्षा सोनी

वर्तमान युग में व्यक्ति भौतिकता की ओर तेजी से दौड़ रहा है। परिणामस्वरूप सभी क्षेत्रों में उसे प्रतियोगिता का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण तनाव, थकान, अशांति का शिकार होकर अनेक घातक बिमारियों से ग्रस्त होता जा रहा है। इससे ज्ञात होता है कि व्यक्ति प्रतिदिन उन्नति के स्थान पर अवनति की ओर अग्रसर हो रहा है। इसका मुख्य कारण -दोषपूर्ण जीवन शैली। योग वस्तुतः एक जीवन शैली है, भारतीय ऋषि मुनियों ने योग को अपनी जीवन शैली में सम्मिलित किया था लेकिन तब योग केवल ऋषि तक ही सीमित था। आज योग का सभी दिशाओं में प्रसार हो रहा। पाश्चात्य संस्कृति है और आज से इस दुषित वातावरण में संतुलित जीवन जीने की कला सिखाता है, योगाभ्यास से आत्मा की गुप्त शक्तियाँ जो सुप्तावस्था में होती है, जागृत हो जाती है,और उसमें अनेक गुणों, कलाओं व विशेषताओं का आविर्भाव होने लगता है योग मनुष्य को कुशल प्रशासन की कला सिखाता है। मन के विकारों को नष्ट करने में सहायता करता है। योग को अपनाने से जीवन में अत्यधिक परमानंद व जीवन के सच्चे सुख की अनुभूति होती है।

जीवन के प्रारंभ से मृत्यु पर्यन्त तक व्यक्ति का शिक्षण निरंतर चलता रहता है। जीवन के हर क्षण से कुछ शिक्षा ग्रहण करना मनुष्य कि प्रवृत्ति होती है।

शिक्षा मनुष्य जीवन को प्रभावित करती है व परिवर्तन की प्रणेता होती है। शिक्षा का माध्यम शिक्षक होता है। वर्तमान समय में शिक्षकों को जीवन के सभी आयामों व क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ बनने की आवश्यकता होती है।

शिक्षक द्वारा शिक्षा के माध्यम से शिक्षक को सर्वोत्तम बनाने का प्रयास किया जाता है। शिक्षक ,शिक्षा द्वारा शिक्षक को विभिन्न क्षेत्रों, विधाओं का ज्ञान व उनमें प्रवीणता व दक्षता लाने में सहायता करते है।

यह कहा भी जाता है कि :-"स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का निवास होता है।"

योग शिक्षा द्वारा शिक्षकों को मानसिक,शारीरिक एवं व्यावहारिक रूप से प्रबल बनाने का प्रयास किया जाता है। योग के द्वारा व्यक्ति की क्षमताओं में वृद्धि होती है। क्षमताओं में वृद्धि के द्वारा शिक्षक की कार्य सफलता को निश्चित किया जा सकता है।

यदि शिक्षक का स्वयं का स्वास्थ्य अच्छा है तो वह अपनी पूरी कार्यक्षमता के साथ कार्य पूर्ण करने में लगा रहता है। योग शिक्षा के द्वारा शिक्षक की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और कार्य संपादन क्षमता भी बढ जाती है।

वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है। यह परिस्थितियाँ विद्यार्थी को बहुत अधिक प्रभावित करती है। विद्यार्थी अपने आसपास के वातावरण व परिस्थितियों से बहुत अधिक उद्वेलित होते है, विद्यार्थी के मन पर इनका गहरा प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थी अपने पारिवारिक जीवन, आर्थिक अवस्था व सहपाठियों के साथ तुलना के कारण तनाव में रहते है। अनेक विद्यार्थी अपनी आर्थिक स्थिति के कारण हीनभावना से ग्रस्त रहते है। आर्थिक दशाओं, पारिवारिक परेशानीयों व अन्य समस्याओं के कारण कुछ विद्यार्थी भावुक हो जाते है। कुछ छात्रों में मानसिक रोगों के लक्ष्ण स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगते है।

आर्थिक अभावों के कारण विद्यार्थियों की मानसिकता पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। वे गलत संगतीयों में पड़कर गलत राह पर चल पड़ते है, ऐसी परिस्थितियों में यदि उनका शिक्षक योग शिक्षा से शिक्षित होगा तो वह उन्हे योगाभ्यास करवाएगें, जिससे विद्यार्थियों को मानसिक बल प्राप्त होगा, उनके जीवन में होने वाले परिवर्तनों, परेशानियों व समस्याओं को समझने व उनका हल करने की क्षमता उत्पन्न होगी। योग शिक्षा मानसिक व शारीरिक रूप से सबल बनाने का कार्य करती है। योग से उन्हे मानसिक शांति प्राप्त होगी। जीवन के विकास में अपनी शक्ति व उर्जा का सही प्रयोग कर पाएगें।

मानसिक अवसाद या मानसिक रोग से ग्रस्त विद्यार्थियों को इनसे उबरने के लिये योग शिक्षा बहुत अधिक सहायक होगी। योगशिक्षा से शिक्षित शिक्षक विद्यार्थियों के लिए बहुत अधिक सहायक होगी। योगशिक्षा से शिक्षित शिक्षक विद्यार्थियों के लिए बहुत अधिक सहायक बन सकते है। ध्यान व प्रणायाम द्वारा अवसाद से निकलने में उनकी सहायता कर सकते है।

अतः शिक्षक शिक्षा में योग शिक्षा को अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए। योग शिक्षा द्वारा शिक्षक का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा

योग विज्ञान भारतीय मनोविज्ञान का व्यावहारिक रूप है। इसे शिक्षा का आधार बनाना परमआवश्यक है, तभी हमारी शिक्षा सभी अर्थों में फलदायी होगी।

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi. Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

विद्यार्थी स्वयं पढ़कर समझते है और अभिव्यक्त करते है और सीखने की प्रक्रिया में शामिल होते है इससे विषय वस्तु की अवधारणा विस्तृत रूप से विकसित होती है।

- विद्यार्थी विषय वस्तु का 50 प्रतिशत याद रखते है क्योंकि शिक्षण के दौरान ही उन्हें सीखने का मौका मिलता है।
- स्वयं करके सीखने के अवसर मिलते है। विद्यार्थी समूह में रहकर आपस में चर्चा करके नये ज्ञान की खोज करते है।
- परम्परागत शिक्षण में शिक्षण प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों में रुचि जाग्रत नहीं होती है।
- सक्रिय अधिगम प्रविधि सीखने को सुदृढ़ एवं सुनिश्चित करने वाली प्रक्रिया है।
- परम्परागत शिक्षण से हटकर शिक्षण में नवाचार करने के लिये रुचि जाग्रत होती है।

विभिन्न शोध एवं अनुभव के प्रमाण यह बताते है कि विद्यार्थी सबसे बेहतर तब सीखते है जब वे स्वयं विषयवस्तु के साथ जुडते है और सीखने में सक्रिय रूप से सहभागी होते है।

अन्ततः यह कहा जा सकता है कि हमारे परम्परागत कक्षा वातावरण को अधिक सहज एवं बाल केन्द्रित बनाने, प्रत्येक बच्चे को अपनी स्वाभाविक गति से सीखने एवं व्यक्त करने के अवसर देने तथा बच्चे के प्रत्येक दिन को उपयोगी, मनोरंजक एवं सार्थक बनाने हेतु ALM परम्परागत शिक्षण से अधिक प्रभावी है।

सक्रिय अधिगम प्रविधि : दार्शनिक दृष्टिकोण

ज्योति मेवाल* एवं पल्लवी मेवाल*

अलग-अलग विचारकों ने बच्चों को अलग-अलग [illegible] से देखा है। कुछ ने उन्हें [illegible] कहा है, कुछ ने उन्हें [illegible] और कुछ को बच्चों का मन कोरी स्लेट नज़र आया जिस पर उन्हें [illegible] अंकित कर सकता है अगर इन पर विचार करें तो पायेंगे कि यही दृष्टिकोण एक शिक्षक के रूप में हमारे कार्य को दिशा [illegible] है कि हमें [illegible] सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को कैसे आगे बढ़ाना है।

दार्शनिक विचार

प्रसिद्ध विचारक दार्शनिक और शिक्षाविद् [illegible] बच्चों के स्वभाव के भीतर का सर्व माना है। [illegible] पालन-पोषण का सिद्धान्त और व्यवहार देने वाले हैं। [illegible] नियम भी [illegible] हैं, जो प्रकृति के नियम [illegible] किये गये हैं। लॉक किसी भी व्यक्ति के विकास का [illegible] उसके पर्यावरण को, जिसमें सीखने को [illegible] प्रस्फुटन के अवसर भी। लॉक मानते हैं कि दुनिया में ऐसी कोई वस्तु नहीं है जिसके अन्दर कोई विचार निहित न हो और इस निहित विचार को [illegible] उसे क्रियान्वित करना ही ज्ञान विज्ञान और शिक्षा का काम है।

शिक्षा में सक्रिय एक ऐसा शब्द है जो स्वयं में ही [illegible] के पास सोच है। अर्थात् बदलाव को देखना, [illegible] और अनुभव है। सक्रिय अधिगम प्रविधि के माध्यम से बालक की सोच [illegible] को क्रियाशील कर उसे एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया जा सकता है।

* आचार्य, प्रशांति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, उज्जैन
* शोधार्थी, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. Ujjain

Scanned with CamScanner

8th NATIONAL CONFERENCE

Of

Indian Psychometric & Educational Research Association (IPERA), Patna

On

Evaluation of Modern Educational System

Sub Themes :

- Quality Concern in Privatization of Higher Education.
- Pedagogical Approach of School Learning.
- Language, Knowledge and Curriculum Framework.
- Coping Strategies of Mental Disorders.
- Gender Discrimination and Women Empowerment in Weaker Sections.
- Communication Skills and Learning Assessment.
- Psychological Testing : A Mirror of Behaviour.
- Need of Counselling and Guidance Services.
- Psychological Consequences of Disaster and Its Management
- Socio-Cultural Contributions of Guru Govind Singh/Pt. Deen Dayal Upadhyaya

On

24, 25 and 26 September, 2016

IPERA

SOUVENIR

HARPRASAD INSTITUTE OF BEHAVIOURAL STUDIES HIBS

Organized by & at

Harprasad Institute of Behavioural Studies (HIBS)
41-42, Hardeep Enclave, Sikandra, AGRA-282 007

INCHARGE
INAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. U...

Scanned with CamScanner

(63)

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के मूल्यांकन में निर्देशन एवं परामर्शन सेवा की आवश्यकता

डॉ. ज्योति मैवाल
प्राचार्या
प्रशान्ति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज,
उज्जैन (म.प्र.)

डॉ. अनिल बाबू
असिस्टेंट प्रोफेसर,
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय,
मंदसौर (म.प्र.)

निर्देशन एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। जिसमें अधिक अनुभवी एवं जानकार व्यक्ति शिक्षार्थियों की समस्याओं के समायोजन हेतु मदद करता है। आधुनिक युग इतना बहुआयी विकास समेटे हुए है कि इसको परिभाषित करना कठिन हो गया है। कभी इसे विज्ञान एवं तकनीकी युग तो कभी आन्तरिक युग या क्रांति का युग कहते हैं। इस आधुनिक युग में जीवन के सभी क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन देखा जा सकता है। शिक्षा व्यवस्था भी इससे अछूती नहीं रही है। आज आधुनिक शिक्षा प्रक्रिया के स्वरूप में भी परिवर्तन आया है। अनेक प्रकार के नये-नये प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। जिससे आज शिक्षार्थियों के सामने अनेक प्रकार की नयी-नयी कठिनाइयों उभर कर सामने आयी है। आज तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रगति ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किये है। परम्परागत शिक्षा के स्थान पर तकनीकी शिक्षा के प्रचलन में वृद्धि हुई है। आज कम्प्युटर, इंटरनेट, ई-लर्निंग, ई-बुक, सक्रिय अधिगम प्रविधि, ऑन लाइन लेक्चर, के क्षेत्र में प्रगति हुई है निर्देशन एवं परामर्शन प्रक्रिया के माध्यम से आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में हम वह लौ जगा सकते है, जहाँ ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी एवं सायबर युग के साथ कदम मिलाकर शिक्षार्थियों में मल्टी डायमेनशनल पर्सनलिटी डेवलप कर उन्हें आधुनिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं।

(64)

मनोविकारों से मुकाबला करने में यौगिक परामर्श व योग चिकित्सा (दर्शन) की भूमिका

डॉ. निशा जोशी
आचार्य, योग अध्ययनशाला, दे.अ.वि.वि., इन्दौर (म.प्र.)

आधुनिक जीवन शैली के परिणामस्वरूप कई मानसिक रोग उभर कर आ रहे हैं, इसका मुख्य कारण है हमारी भौतिकवादी, स्पर्धात्मक व अव्यवस्थित जीवन शैली। मनोविज्ञान की दृष्टि से यदि हम देखें तो मनोविकार किसी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य की वह स्थिति है जिसे किसी स्वस्थ व्यक्ति से तुलना करने पर 'सामान्य' नहीं कहा जा सकता। या हम कह सकते हैं किसी व्यक्ति के असामान्य और अनुचित व्यवहार ही मनोविकार है। मनोविकारों के कई कारक हैं जिनमें आनुवांशिकता, कमजोर व्यक्तित्व, सहनशीलता का अभाव, बाल्यावस्था के अनुभव, पारिवारिक पर्यावरण, शारीरिक कमियाँ इत्यादि। इन कारकों के परिणामस्वरूप कई प्रकार के मनोविकार उत्पन्न हो जाते हैं - जैसे बाल्यावस्था के विकार, व्यग्रता विकार, मनोदशा विकार -

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi, Dist. U...

Scanned with CamScanner

Institutional Development Plan (IDP, OHEPEE) Cell

RAMA DEVI WOMEN'S UNIVERSITY

Vidya Vihar, Bhubaneswar-751022, Odisha, India

www.rdwuniversity.nic.in

Faculty Development Programme on

'Research Methodology and Project Writing'

07-11 July, 2021

CERTIFICATE

This is to certify that

SHAMSHER SINGH KAKA

PRASANTI COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES,UJJAIN M.P

has successfully completed Five Days Online Faculty Development Programme on "Research Methodology and Project Writing" organized by Institutional Development Plan (IDP, OHEPEE), Cell of Rama Devi Women's University, Vidya Vihar, Bhubaneswar, Odisha held during 07-11 July, 2021.

Dr. Bibudhendu Pati
Dy. Coordinator, IDP &
Organizing Secretary, FDP

Prof. Chandi Charan Rath
Coordinator, IDP & Convener, FDP

Prof. Sasmita Mohanty
Chairperson, P G Council

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies
Gram Gangedi

Scanned with CamScanner

National Symposium
On
"Health and Happiness"
6th March 2019
DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE
(Accredited with Grade 'A' by NAAC)

CERTIFICATE

This is to certify that Ms. / Mr. / Dr. SHAMSHER SINGH KAKA..... has presented poster entitled . TEACHER'S ROLE ESTABLISHING HEALTH AND HAPPINESS ..... in National Symposium, On "Health and Happiness", organized by *ANAND CELL, D.A.V.V., Indore*, on March 6th 2019.

Prof.(Dr.) Namrata Shukla
Co-Convener

Prof (Dr.) Anand Kar
Convener

INCHARGE
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC)
Prashanti College of Professional Studies, Ujjain
Gram Gangedi Dist. Ujjain

Principal
Prashanti College of Professional Studies

Scanned with CamScanner